बिहार में विश्व का सबसे बड़ा रामायण मंदिर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले** में **"विश्व के सबसे बड़े रामायण मंदिर"** के निर्माण का दूसरा चरण शुरू हुआ। 3.76 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में फैले तीन मंजिला मंदिर का निर्माण **जून 2023 में शुरू हुआ और 2025 में पूरा होने की आशा है।**

मुख्य बिंदु:

- **विराट रामायण मंदिर अयोध्या के** राम मंदिर **से तीन गुना बड़ा होगा।**
  - 500 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित इस मंदिर के **गर्भगृह में 33 फुट ऊँचा** **शिवलिंग** स्थापित किया जाएगा।
  - मंदिर परिसर में विभिन्न देवताओं के लिये **22 गर्भगृह** होंगे।
- **दूसरे चरण में प्लिंथ स्तर तक निर्माण कार्य शामिल होगा,** जो ज़मीनी स्तर से लगभग 26 फीट की ऊँचाई तक जाएगा।
- **तीसरे चरण** में **शिखरों का निर्माण** तथा संपूर्ण मंदिर का **अंतिम परिष्करण** कार्य पूर्ण किया जाएगा।
  - **मंदिर में कुल 12 शिखर होंगे, जिनमें मुख्य शिखर 270 फीट ऊँचा होगा।**
- मंदिर की वास्तुकला कंबोडिया के अंकोर वाट, तमिलनाडु के रामेश्वरम के रामनाथस्वामी मंदिर और मदुरै के मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर से प्रेरित है।

अंकोर वाट मंदिर

- **अंकोर वाट कंबोडिया में स्थित एक मंदिर परिसर** है तथा यह **विश्व के सबसे बड़े धार्मिक स्मारकों में से एक है।**
- इसकी स्थापना **मूल रूप से** खमेर साम्राज्य के लिये भगवान विष्णु को समर्पित एक **हिंदू मंदिर** के रूप में की गई थी, लेकिन **धीरे-धीरे 12वीं शताब्दी के अंत तक इसे एक बौद्ध मंदिर** में बदल दिया गया था।
- **12वीं शताब्दी की शुरुआत में खमेर राजा सूर्यवर्मन द्वितीय** द्वारा खमेर साम्राज्य की राजधानी यशोधरपुर (वर्तमान में अंकोर), में इसका निर्माण उनके राज्य मंदिर और संभावित मकबरे के रूप में करवाया गया था।

मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर

- यह तमिलनाडु के **मदुरै** में **वैगई नदी** के दक्षिणी तट पर स्थित एक **ऐतिहासिक हिंदू मंदिर** है।
- यह मंदिर **देवी मीनाक्षी**, जो **शक्ति/पार्वती का एक रूप है** तथा उनके पति **शिव, जो सुंदरेश्वर के रूप में हैं,** को समर्पित है।
- इसका **निर्माण पांड्य सम्राट सदायवर्मन कुलशेखरन प्रथम (1190 ई.-1205 ई.) ने करवाया था।**

रामनाथस्वामी मंदिर

- यह **तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम द्वीप पर स्थित भगवान शिव को समर्पित एक हिंदू मंदिर** है।
- यह **बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है।**
- इसका निर्माण **राजा मुथुरामलिंगा सेतुपति ने करवाया था।**
- मंदिर का विस्तार **12वीं शताब्दी के दौरान पांड्या राजवंश द्वारा किया गया था** और इसके मुख्य मंदिर के गर्भगृह का **जीर्णोद्धार जयवीर सिंकैरियान तथा उनके उत्तराधिकारी गुणवीर सिंकैरियान,** जो ज़ाफना साम्राज्य के सम्राट थे, द्वारा किया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-s-largest-ramayan-temple-in-bihar